होली | माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 'गुलाल उत्सव' का आयोजन

रंगों की बौछार के साथ छात्राओं ने थिरककर मनाई होली

नवभारत,जबलपुर। शनिवार को शहर का माहौल उस समय पूरी तरह रंगमय हो उठा, जब माता गुजरी महिला महाविद्यालय परिसर में 'गुलाल उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से ही छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, महाविद्यालय परिसर गुलाबी, पीले, हरे और लाल रंगों से सराबोर होता चला गया। दोपहर होते-होते डीजे की धुनों ने पूरे वातावरण को झंकृत कर दिया। जैसे ही 'होलीया में उड़े रे गुलाल' गीत बजा, छात्राओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। परिसर तालियों और ठुमकों से गूंज उठा। इसके बाद 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' की धुन पर सैकड़ों छात्राओं ने एक साथ रंग उड़ाते हुए सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। ढोल की थाप पर पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राएं जब एक-दूसरे को गुलाल लगाती नजर आईं, तो दृश्य मानो किसी सांस्कृतिक मेले का प्रतीत हो रहा था।

500 से अधिक छात्राओं की रही सहभागिता

करीब 500 से अधिक छात्राओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। हर चेहरे पर मुस्कान, हर हाथ में गुलाल और हर कदम में थिरकन—पूरा परिसर मानो उत्सव की ऊर्जा से स्पंदित हो उठा। इस अवसर पर डायरेक्टर एवं प्राचार्या ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि होली जैसे पर्व आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं तथा शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर देते हैं।

एक-दूसरे को गुलाल लगाकर दीं होली की शुभकामनाएं

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता झाम, डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पहवा तथा रजिस्ट्रार डॉ. सत्येन्द्र कुररिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। आयोजन समिति में होली उत्सव प्रभारी डॉ. अंजु मिश्रा, राफेल परस्ते, प्रभात केवट, स्वाति गुप्ता एवं डॉ. राकेश तिवारी की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं और प्राध्यापकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश दिया।

इनका कहना है

आज का दिन मेरे लिए यादगार बन गया। पढ़ाई के साथ ऐसे उत्सव हमें मानसिक रूप से तरोताजा कर देते हैं।
समीक्षा सेन

पारंपरिक परिधान में होली मनाने का अलग ही आनंद है। यह आयोजन हमारी संस्कृति से जुड़ाव को और मजबूत करता है।
हर्षिता सेन

सभी सहेलियों के साथ एक साथ नृत्य करना और रंग खेलना बेहद आनंददायक रहा। ऐसा लगा जैसे पूरा कॉलेज एक परिवार बन गया हो।
साक्षी निषाद

डीजे और ढोल की धुनों पर नाचते हुए समय का पता ही नहीं चला। यह उत्सव हमारे कॉलेज की खूबसूरत यादों में शामिल हो गया है।
अनुष्का जाट

बच्चों के संग युवाओं में भी चढ़ा होली का बुखार

इलेक्ट्रॉनिक पिचकारियों और मुखौटों की वैरायटी बनी पसंद

नवभारत, जबलपुर । जैसे-जैसे होली का त्यौहार नजदीक आते जा रहा है वैसे-वैसे बाजारों की रौनक भी बढ़ती चली जा रही है। नगर समेत आसपास के बाजार में होली की रौनक देखने को मिल रही है। दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इस वर्ष बाजार में पारंपरिक गुलाल और रंगों के साथ-साथ हाइटेक, इलेक्ट्रॉनिक पिचकारियों और आकर्षक होली गिफ्ट पैक्स की विशेष धूम है। दुकानदार राहुल ने नवभारत को बताया कि इस साल ग्राहकों की पसंद में बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां साधारण प्लास्टिक की पिचकारियों की मांग रहती थी, अब वही बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रॉनिक, टैंक वाली और कार्टून कैरेक्टर डिजाइन की पिचकारियां ज्यादा पसंद की जा रही हैं। इसके साथ ही कार्टून कैरेक्टर डिजाइन के प्रोडक्ट भी पसंद किए जा रहे हैं। वही दुकानदार सौरभ ने बताया बच्चों से लेकर युवाओं तक सभी के लिए नई-नई डिजाइन की पिचकारियां उपलब्ध हैं छोटे बच्चों के लिए सुपरहीरो थीम, बंदूक और टैंक की पिचकारियां है जो आकर्षण का केंद्र बनी है।

अलग अलग प्रकार के मुखौटे

बाजार में रंगों और मुखौटों की भी काफी वैरायटी देखी जा रही है, जो इस त्योहारी सीजन को और अधिक जीवंत बना रहे हैं। एक तरफ बाजार में नई पिचकारियां आई हैं तो वही मुखौटे भी एक से बढ़कर एक देखने को मिल रहे है। इस बार पिचकारी से पानी के रंग की जगह गुलाल भी निकलेगा। इसके अलावा, गुलाल उड़ाने के लिए सीज फायर सिलेंडर भी बाजार में आए हैं।

हर्बल गुलाल की बंपर मांग

दुकानदारो ने नवभारत को बताया कि इस बार रंगों की बात करें तो बाजार में हर्बल और आर्गेनिक गुलाल की मांग में बढ़ोतरी हुई है। लोग अपनी स्किन और पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहे हैं, जिसके चलते केमिकल युक्त रंगों से दूरी बना रहे हैं। कई दुकानों पर फूलों से बने प्राकृतिक रंग और खुशबूदार गुलाल भी उपलब्ध हैं। इसके साथ ही होली को लेकर मिठाई की दुकानों पर भी खास तैयारियां की जा रही हैं। गुजिया, नमकीन, ठंडाई मिक्स और ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक की बिक्री शुरू हो चुकी है।

गुरु तेगबहादुर का बलिदान किसी एक समुदाय के लिए नहीं था : चक्रधर

सिखों के नौवें गुरु के 350वें शहीदी वर्ष पर व्याख्यान

नवभारत,जबलपुर। सिखों के नौवें गुरु गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के अवसर पर संस्कृति थिएटर, कल्चरल स्ट्रीट, भंवरताल में भव्य और प्रेरणादायी व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के विभिन्न वर्गों, व्यवसायों और सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह

रामदत्त चक्रधर ने गुरु तेगबहादुर के अद्वितीय त्याग, तपस्या, धैर्य और अप्रतिम साहस का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन केवल एक धार्मिक महापुरुष का जीवन नहीं था, बल्कि यह अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने और सत्य की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करने की प्रेरक गाथा है। चक्रधर ने उस ऐतिहासिक कालखंड का स्मरण कराया जब औरंगज़ेब के शासनकाल में धार्मिक असहिष्णुता और अत्याचार चरम पर थे। मुख्य वक्ता ने गुरुजी के साथियों—भाई मति दास, भाई दयाल दास और भाई सती दास—के अद्भुत साहस का भी उल्लेख किया, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों और अमानवीय यातनाओं के बावजूद अपनी आस्था नहीं छोड़ी और अडिग रहे। कार्यक्रम में विभाग संघचालक डॉ. कैलाश गुप्ता, प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे और प्रांत प्रचारक ब्रजकांत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देशभर से आए पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने शोध किए प्रस्तुत

नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय में 48वें वार्षिक अधिवेशन का समापन

नवभारत,जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (एनडीवीएसयू) के अंतर्गत सिविल लाइन स्थित वेटरनरी कॉलेज सभागार में आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वेटनरी सर्जरी (आईएसवीएस) अवार्ड-2025 एवं 48वें वार्षिक अधिवेशन का शनिवार को गरिमामय समापन हुआ। 26 से 28 फरवरी 2026 तक चले इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से आए पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने एनेस्थिसियोलॉजी, रेडियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, लार्ज एवं स्मॉल एनिमल सर्जरी तथा वाइल्ड लाइफ सर्जरी जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुत किए। कार्यक्रम कुलगुरु प्रो. मनदीप शर्मा, आईएसवीएस के डॉ. पी.ई. कुलकर्णी एवं सचिव डॉ. ए.पी. सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

विभिन्न श्रेणियों में मिले प्रमुख पुरस्कार

समारोह के अंतिम दिन विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें बेस्ट क्लीनिशियन अवार्ड डॉ. शालिका साल्वेकर को उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। एपिग्नोसिस-2025 प्रतियोगिता में एनडीवीएसयू, जबलपुर के डॉ. ईशान नेमा प्रथम रहे, जबकि श्री वेंकटेश्वर वेटनरी यूनिवर्सिटी (एसवीवीयू) तिरुपति के डॉ. नवीन नलिनक्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

आयोजन में इनका रहा सहयोग

राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन में कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर, डीन डॉ. आर.के. शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. अपरा शाही, डॉ. बबिता दास, डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. शोभा जावरे, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. अपूर्वा मिश्रा, असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. रामकिंकर मिश्रा एवं मीडिया अधिकारी डॉ. सोना दुबे सहित आयोजन समितियों के अध्यक्षों, सदस्यों और शोधार्थियों का विशेष योगदान रहा।

तकनीकी सत्रों के विजेताओं को मिला सम्मान

एनेस्थिसियोलॉजी एवं रेडियोलॉजी सत्र में भैंसों में अंत:शिरा बनाम इनहेलेंट एनेस्थीसिया के मूल्यांकन पर राम निवास एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। कुत्तों में हृदय रोगों के इकोकार्डियोग्राफिक अध्ययन पर डॉ. अभिषेक ठाकुर के शोध को सराहना मिली। लार्ज एनिमल सर्जरी में मवेशियों के एबोमासम सर्जरी के 52 मामलों के अध्ययन हेतु डॉ. मंजूनाथ एस.पी. को पुरस्कार मिला। स्मॉल एनिमल सत्र में डायाफ्रामेटिक हर्निया के सफल प्रबंधन के लिए गायकवाड़ एस.वी. की टीम को सम्मानित किया गया। वन्यजीव सत्र में तेंदुए के शावक के पैर के फ्रैक्चर का 'प्लेट रॉड ऑस्टियोसिंथेसिस' तकनीक से सफल उपचार करने पर रवि रायदुर्ग और मुरली मनोहर को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। पक्षी चिकित्सा में ट्यूमर सर्जरी के लिए डॉ. जितेश थोट्टियिल की टीम को सम्मान मिला ऑथ्थल्मोलॉजी सत्र में कुत्तों में जटिल मोतियाबिंद सर्जरी के लिए राम गणेशन तथा गोनियो-इम्प्लांटेशन तकनीक से दृष्टि बहाली के लिए मनोज रेड्डी को पुरस्कृत किया गया।

एक नजर में

सरस्वती कॉलोनी में निकली संकीर्तन शोभायात्रा

नवभारत,जबलपुर । प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चैतन्य महाप्रभु जन्मोत्सव के अवसर पर 9 दिवसीय प्रभातफेरी अंतर्गत देवेंद्र नेमा के अनंत ज्योति निवास सरस्वती कॉलोनी से भव्य संकीर्तन यात्रा संकीर्तनाचार्य पं .मनमोहन दुबे, पं .वासुदेव शास्त्री,पं .देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में निकाली गई। जहां संकीर्तन शोभा यात्रा का फूलों की वर्षा कर अबीर गुलाल तिलक लगाकर यात्रा में सहभागी रहे समस्त धर्मावलबियौन का भव्य स्वागत किया गया। जहां कर्ण प्रिय संकीर्तन की धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। इस मौके पर महिला मंडल दुर्गा हनुमान मंदिर द्वारा एक से बढ़कर एक होली गीत गाए गए।इस भव्य अवसर पर सत्यप्रकाश नामदेव,इं .राजेंद्र नेमा,प्रतिभा विंध्येष भापकर,नरेंद्र साहू,सुरेन्द्र गिरी,रमेश विश्नोई,जितेंद्र शर्मा, के एल दीक्षित,पप्पू चौबे,राजेश असाटी,सत्यनारायण दुबे,राजेश शर्मा,नवीन नेमा,राजेंद्र ब्यौहार,विशाल पंड्या,अमित विश्नोई,राजेंद्र कसेरा,सुनील नामदेव,विवेक अग्रवाल,अनिता गुप्ता,प्रभा शर्मा,निधि बबेले,क्रांति पटेल,कीर्ति चौहान,वर्षा झरिया,आदि सैकड़ों की संख्या में मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित उपस्थित रहे। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया 1 मार्च सायं 4 बजे भव्य संकीर्तन शोभा यात्रा शिवकल्याण मंदिर गढ़ाफाटक से प्रारंभ होगी।

14 वर्ष की बच्चियों को लगा नि :शुल्क एचपीवी का टीका

कलेक्टर की उपस्थिति में जिला अस्पताल में टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

नवभारत, जबलपुर। किशोरियों को सर्विकल कैन्सर जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए एचपीव्ही वैक्सीन का शुभारंभ कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के द्वारा 14 वर्ष की आयु वर्ग वाली बच्चियों को एचपीव्ही टीका लगवाकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा उपस्थित थे। जिलास्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम सेठ गोविन्द दास जिला चिकित्सालय विक्टोरिया में आयोजित किया गया। कलेक्टर ने शुभारंभ अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि एचपीव्ही टीकाकरण अभियान के प्रथम चरण के अन्तर्गत 14 बर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं यह टीका लगाया जायेगा, महिलाओं में होने वाला सर्वाइवल कैन्सर

दूसरा प्रमुख कैंसर है एचपीव्ही वैक्सीन की डोज लगवाने से बचाव एवं सुरक्षा मिलती है उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन पूर्णत: सुरक्षित एवं प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा ने इस मौके पर कहा कि सर्वाइकल कैन्सर से वचाव की दिशा में यह अभियान बडा कदम है, इस टीके की एक डोज का बाजार मूल्य 5000 रुपये से अधिक का है अब भारत शासन ने महिलाओं के सुरक्षित भविष्य को देखते हुए इसे बिल्कुल नि:शुल्क किया है। जिले में 13 स्थानों पर यह अभियान चलाया जा रहा है आगे इनकी संख्या ओर बढ़ाई जाएगी।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विनीता उप्पल, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ एस एस दाहिया, डॉ के के वर्मा, डॉ अमिता जैन, डॉ अमजद खान, डॉ वैशाली खन्ना, अरुण शाह, अतुल करकरे, विजय पाण्डेय, संदीप नामदेव, विकास श्रीवास्तव, विकास शर्मा, निशांक तिवारी सहित सभी अधिकारी एंव कर्मचारी उपस्थिति रहे।

'निरामय' कार्यशाला का आयोजन आज

नवभारत,जबलपुर। दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और तनावमुक्त जीवन की कला पर आधारित 'निरामय' कार्यशाला का आयोजन आज रविवार 1 मार्च को प्रात: 11:30 बजे शहीद स्मारक सभागार, गोल बाजार में किया जाएगा। यह आयोजन फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं डायवेल कोर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने बताया कि कार्यशाला में मुंबई से पधार रहे प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय मेहता, सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. परिमल स्वामी, डॉ. अकलंक जैन एवं डॉ. भाविक धीरावाणी स्वास्थ्य संवर्धन, तनाव प्रबंधन और संतुलित जीवनशैली पर व्यावहारिक मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम नगर के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। आयोजन समिति में हिमांशु राय, मनु शरत तिवारी, सुनील श्रीवास्तव, अरुण पवार, नीता नारंग, अजीत पवार, विनोद शर्मा एवं राजीव अग्रवाल ने शहरवासियों से कार्यशाला में सहभागिता का आग्रह किया है।

रमजान के दूसरे अशरे की शुरूआत

ग्यारहवां रोजा 1 मार्च रविवार
रोजा अफ़्तार, 6 :19 बजे
सहरी कल सुबह, 5 :03 बजे

नवभारत,जबलपुर। पाक माह रमज़ान में दस-दस दिनों के तीन अशरों में से पहला अशरा, जिसे रहमत का अशरा कहा जाता है, संपन्न हो चुका है और आज से मग़फिरत का अशरा शुरू हो गया है। इस दूसरे अशरे में मुस्लिम धर्मावलंबी नमाज़ और रोज़े के साथ विशेष रूप से अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी की दुआ करते हैं। शहर की मस्जिदों और इबादतगाहों में इबादत का सिलसिला तेज हो गया है तथा रोज़ेदार अधिक समय तौबा और इबादत में गुजार रहे हैं। गौरी घाट रोड, बादशाह हलवाई मोड़ स्थित हज़रत जलालुद्दीन बाबली वाले बाबा रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह में मदन महल दरगाह के मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की सदारत में रोज़ेदारों के लिए अफ़्तार-ए-आम का आयोजन किया गया। मग़रिब की अज़ान होते ही सभी रोज़ेदारों ने सामूहिक रूप से रोज़ा इफ्तार किया और कौमी एकता का संदेश दिया। दरगाह के खादिम अज्जु बाबा ने अफ़्तार-ए-आम में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में पाक माह रमज़ान की बरकतों के बीच अब्दुल्ला उस्ताद अखाड़ा कमेटी, नया मोहल्ला की ओर से हर वर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी 12वें रोज़े पर अज़ीमुश्शान अफ़्तार-ए-आम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम नया मोहल्ला स्थित कार्तिक होटल के पास पुल के समीप आयोजित होगा। आयोजन की सरपरस्ती में मुफ्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी तथा हज़रत अल्लामा मौलाना सैय्यद कौसर रब्बानी की मौजूदगी रहेगी, जबकि विशेष मेहमान के रूप में मुंबई से सैय्यद शाह अफजल अली कादरी शिरकत करेंगे।

बड़ी महाकाली में पूजन-अर्चन,महाआरती आज

नवभारत,जबलपुर । मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री यशस्वी विद्यायक

लखन घनघोरिया का एक मार्च 2026 दिन रविवार को रात्रि 8 :30 बजे शहर जिला काग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज उत्तराधिकारी मनोज नामदेव के निवास नामदेव भवन गढ़ाफाटक में आगमन होगा तत्पश्चात नामदेव परिवार एवं कांग्रेस जनों साथ बड़े धूम-धाम के साथ बडी महाकाली मंदिर पहुंचकर पूर्ण विधि-विधान के साथ बड़ी माता महाकाली की पूजा-अर्चना महाआरती कर बड़ी माता महाकाली का अर्शीवाद ग्रहण करेंगे। तत् पश्चात गढाफाटक नामदेव भवन स्थित मनोज नामदेव के निवास पर पहुंचेगें जहाँ उनका जन्मोत्सव आयोजन नामदेव परिवार द्वारा स्वागत सम्मान किया जायेगा। सभी से रात्रि 8 :30 बजे मनोज नामदेव के निवास स्थान नामदेव भवन में सादर आमंत्रित होने की अपील की गई है।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में 2 मार्च को

नवभारत,जबलपुर । प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम से भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा फागुन पूर्णिमा पर 2 मार्च सोमवार प्रात: 7 :30 बजे पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में निकाली जाएगी। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज द्वारा बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया जाएगा। नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा बेनगंगा पुल पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार, कल्याण तपोवन लम्हेटा घाट, नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा, इमलिया न्यू भेड़ाघाट से सिद्धन माताजी आश्रम के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा।

कांफ्रेंस | रादुविवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांफ्रेंस का समापन

मल्टी-डिसिप्लिनरी शिक्षा एक साथ कई विषय पढ़ने की देती है सुविधा : कुलगुरु

नवभारत,जबलपुर। मल्टी-डिसिप्लिनरी (बहुविषयक) शिक्षा छात्रों को एक साथ कई विषय पढ़ने की लचीली सुविधा देती है, जिससे रचनात्मकता-आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल का विकास होता है। यह शिक्षा प्रणाली छात्रों को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर जटिल वास्तविक दुनिया की समस्याओं को सुलझाने और बदलते रोजगार बाजार के अनुकूल बनने में सक्षम बनाती है। हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी इसी उद्देश्य को लेकर कार्य कर रही है। मल्टी-डिसिप्लिनरी शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि युवा को एक सर्वांगीण और आत्मनिर्भर पेशेवर बनाना है। ये बात कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कही। मध्यप्रदेश शासन तथा पीएम ऊषा परियोजना के सहयोग से क्रिस्प भोपाल के प्रबंधन में रादुविवि के विज्ञान के सभी विभागों के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत् भविष्य के लिए विज्ञान: शुद्ध और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संगम पर नवाचार' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के अंतिम दिवस पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में तकनीकी सत्रों का संचालन हुआ। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांफ्रेंस संयोजक प्रो. राकेश बाजपेयी ने बताया कि तकनीकी सत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक ने विज्ञान के विभिन्न पहलुओं और तकनीकी अनुप्रयोगों पर अपने विचार रखे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीलंका से आईं प्रो. चंद्रकांता एम. ने कांफ्रेंस के अनुभव साझा किये। इसी तरह डॉ. ठाकुर, शोधार्थी रिया बेदी ने अपने अनुभव बताए। संचालन डॉ. रानू चतुर्वेदी एवं अभार प्रदर्शन डॉ. जेके मैत्रा ने किया।

विद्यार्थियों को दी इंटर्नशिप और शैक्षणिक भ्रमण की जानकारी

कांफ्रेंस के सातवें तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. एम. रामरख्यानी ने की। सॉलिड स्टेट फिजिक्स लैबोरेटरी, डीआरडीओ, दिल्ली के वैज्ञानिक 'जी' डॉ. ओ.पी. ठाकुर ने 'पावर डिवाइस के लिए वाइड बैंड गैप सेमीकंडक्टर के तौर पर सिलिकॉन कार्बाइड' विषय पर शोध संभावनाओं को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को इंटर्नशिप और शैक्षणिक भ्रमण के अवसरों की जानकारी दी।

इनका रहा सहयोग

इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रो. एस.एस. संधू, प्रो. पी.के. खरे, प्रो. जे.के. मैत्रा, प्रो. मृदुला दुबे, डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे, डॉ. रिंकेश भट्ट, डॉ. पल्लवी शुक्ला, डॉ. रेणु पाठक, डॉ. दिव्या सिंह, डॉ. ज्योति चौबे, डॉ. रानू चतुर्वेदी, डॉ. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा, डॉ. दीपक कुमार रजक, डॉ. गरिमा प्रवीण पांडे, डॉ. मोहम्मद वाशिद खान, डॉ. धीरेंद्र मौर्य, डॉ. चंदन सिंह अहिरवार, डॉ. अभिषेक पांडे, राहुल नायक, इमरान मंसूरी, डॉ. प्रतिभा जयसिंह, डॉ. एम.एल. केवट आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

चेक गणराज्य से ऑनलाईन व्याख्यान ने दिया अंतर्राष्ट्रीय आयाम

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांफ्रेंस के अंतिम दिवस आठवें सत्र में प्रो. दीना सुनील (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक), डीआरडीओ दिल्ली के डॉ. राम आशीष चौकसे, शासकीय जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. एस.एस. ठाकुर तथा रीजनल साइंस सेंटर, भोपाल के क्यूरेटर एवं प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर साकेत सिंह कौरव ने उपयोगी व्याख्यान दिए। विशेष आकर्षण रहा चेक गणराज्य के इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स ऑफ द चेक एकेडमी ऑफ साइंस, प्राग का ऑनलाइन व्याख्यान, जिसने कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय आयाम दिया।